● सुनो, समझो और गाओ :

२. एक किरन

– श्रीप्रसाद

जन्म : ५ जनवरी १९३२, पारना आगरा, (उ.प्र.) **रचनाएँ :** खिड़की से सूरज, आ री, कोयल, गुड़िया की शादी आदि ।
परिचय : आपने विपुल मात्रा में बाल साहित्य का लेखन किया है ।
प्रस्तुत कविता में सूरज उगने के बाद प्रकृति में आने वाले परिवर्तन का वर्णन किया है ।

स्वयं अध्ययन

✻ चित्र देखकर हाव-भाव की नकल करो ।

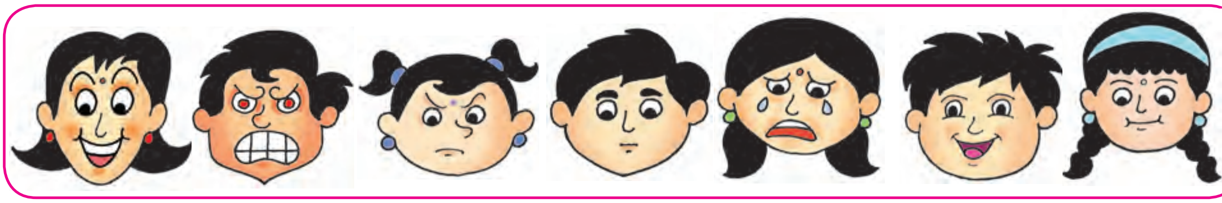

रेशम जैसी हँसती-खिलती,
नभ से आई एक किरन ।
आँचल भरकर मीठी-मीठी,
खुशियाँ लाई एक किरन ।

लाल-लाल थाली-सा सूरज,
उठकर आया पूरब में ।
फिर सोने के तारों जैसी,
नभ में छाई एक किरन ।

पड़ी ओस की थीं कुछ बूँदें,
झिलमिल-झिलमिल पत्तों पर ।
उनमें जाकर, दीया जलाकर,
ज्यों मुसकाई एक किरन ।

❑ विद्‌यार्थियों का ध्यान लयात्मकता की ओर आकर्षित करते हुए कविता सस्वर कहलवाएँ । उनसे मुखर वाचन, मौन वाचन करने के लिए कहें फिर नए शब्दों के अर्थ पूछें । कविता में आए जीवन मूल्यों पर गहन विश्लेषणात्मक चर्चा कराएँ ।

खोजबीन

भारतीय स्थानीय समय के अनुसार देश–विदेश के समय की तालिका बनाओ ।

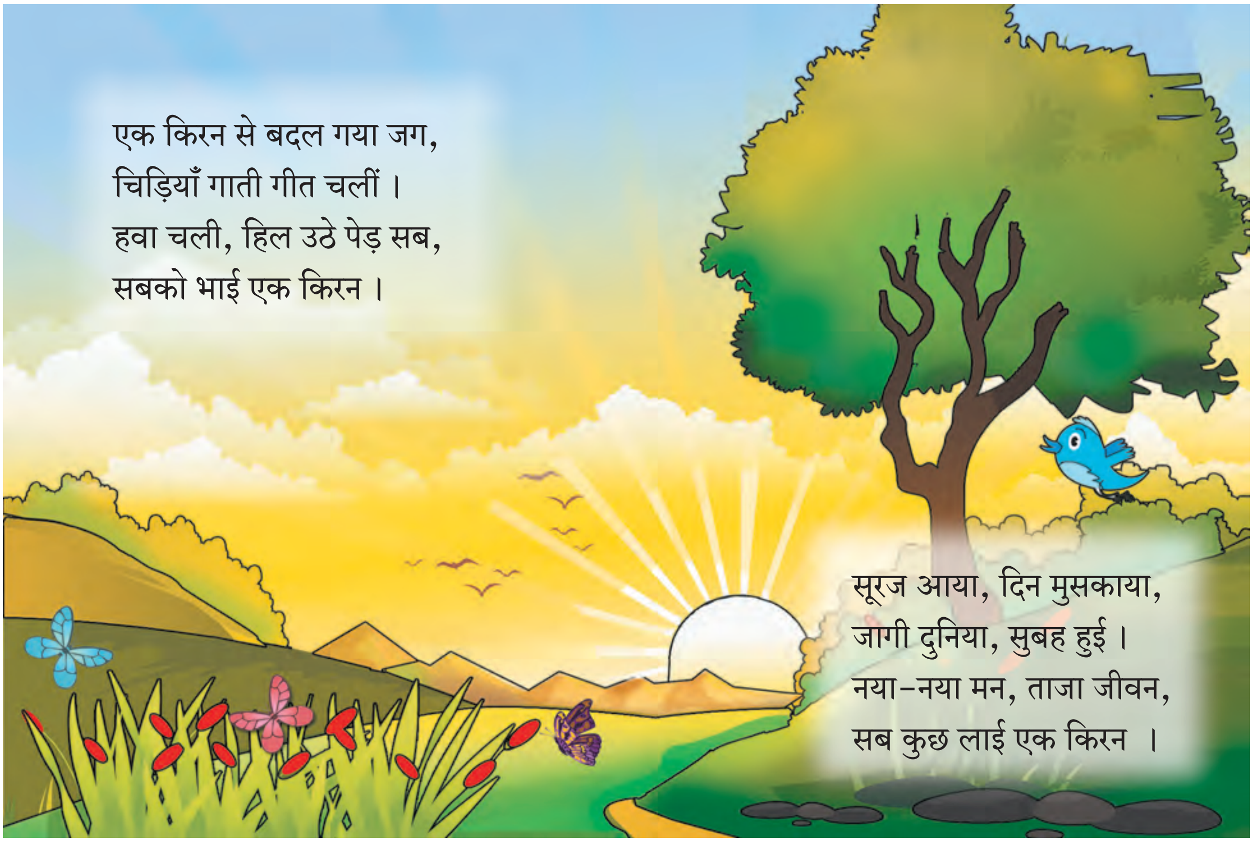

एक किरन से बदल गया जग,
चिड़ियाँ गाती गीत चलीं ।
हवा चली, हिल उठे पेड़ सब,
सबको भाई एक किरन ।

सूरज आया, दिन मुसकाया,
जागी दुनिया, सुबह हुई ।
नया–नया मन, ताजा जीवन,
सब कुछ लाई एक किरन ।

मैंने समझा

शब्द वाटिका

नए शब्द

जग = संसार, विश्व

भाई = पसंद आई

भाषा की ओर

कविता में आए किन्हीं पाँच शब्दों के विरुद्‌धार्थी शब्द लिखो ।

.... × ....

.... × ....

.... × ....

.... × ....

.... × ....

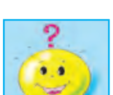

जरा सोचो ..... चर्चा करो

यदि समय का चक्र रुक जाए तो ......

सुनो तो जरा

रेडियो पर एकाग्रता से भजन सुनो और दोहराओ ।

बताओ तो सही

'साक्षर भारत कार्यक्रम' के बारे में जानकारी बताओ ।

वाचन जगत से

मीरा का पद पढ़ो और गाओ ।

मेरी कलम से

महीने में एक बार कविता का श्रुतलेखन करो ।

* संक्षेप में उत्तर लिखो ।

१. किरन कौन-सी खुशियाँ लेकर आई?
२. किरन कब मुसकाई?
३. नभ में किरन कैसी छाई?
४. सूरज के आने पर क्या-क्या होता है?

सदैव ध्यान में रखो

अपने परिवार में सदैव स्नेह बनाए रखें ।

विचार मंथन

।। करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान ।।

अध्ययन कौशल

समाज सेवी महिला की जीवनी पढ़कर प्रेरणादायी अंश चुनो और बताओ ।

समझो हमें

* पंचमाक्षर (ङ, ञ,ण,न,म) के अनुसार पतंगों में उचित शब्दों की जोड़ियाँ मिलाओ ।

जैसे-कंगना

कंगना, संघमित्रा
पंख, कंकाल

गंधर्व, अंदर
अंतिम, मंथन

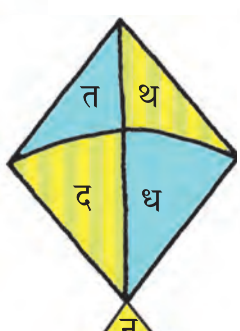

चंचल, जंजाल
पंछी, झंझोड़ना

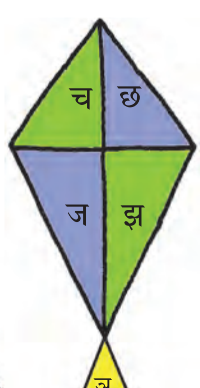

कंठ, डंडा
पंढरी, घंटा

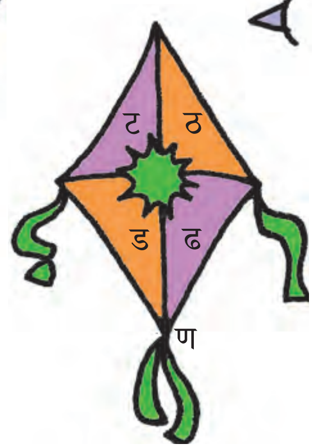

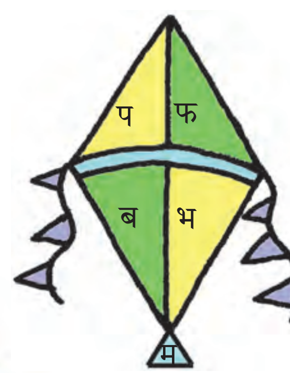

चंबल, इंफाल
अचंभा, चंपारन